

NEXT IAS

दैनिक संपादकीय विश्लेषण

विषय

हाशिये पर पड़ा समुदाय: सेक्स वर्कर्स
की दुर्दशा

www.nextias.com

हाशिये पर पड़ा समुदाय: सेक्स वर्कर्स की दुर्दशा

सन्दर्भ

- ऐसे विश्व में जहाँ सामाजिक मानदंड प्रायः स्वीकृति की सीमाओं को निर्धारित करते हैं, सेक्स वर्कर सबसे अधिक हाशिये पर पड़े समुदायों में से एक हैं, जो गंभीर मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों से घिरे हैं, जो सामाजिक कलंक, हिंसा, आर्थिक दबाव और अलगाव से भी खराब हो गए हैं।
- यह भारत में सेक्स वर्कर्स का समर्थन करने के लिए दयालु और व्यापक हस्तक्षेप की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालता है, यह सुनिश्चित करता है कि उनके अधिकार एवं कल्याण सुरक्षित हैं।

सेक्स वर्कर: सामाजिक कलंक और भेदभाव

- भारत में सेक्स वर्कर को प्रायः उनके पेशे से जुड़े कलंक के कारण हाशिये पर रखा जाता है और बहिष्कृत किया जाता है।
- यह न केवल उनके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और आवास जैसी आवश्यक सेवाओं तक उनकी पहुँच को भी सीमित करता है।
- उनके द्वारा सामना किए जाने वाले भेदभाव से गंभीर मनोवैज्ञानिक संकट उत्पन्न हो सकता है, जिसमें चिंता, अवसाद और पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर (PTSD) शामिल है।

प्रमुख मुद्दे और चिंताएँ

- **मानसिक स्वास्थ्य देखभाल में बाधाएँ:** सेक्स वर्कर के लिए मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच सीमित है। स्वास्थ्य सेवा सेटिंग्स में भेदभाव और न्याय के भय से कई लोग अपनी आवश्यकताओं की देखभाल पाने से वंचित रह जाते हैं।
 - कानूनी बाधाएँ भी एक भूमिका निभाती हैं, क्योंकि कई क्षेत्रों में सेक्स वर्क अवैध है, जिससे संभावित कानूनी परिणामों के कारण कर्मचारी सहायता लेने से डरते हैं।
- **हिंसा और शोषण:** सेक्स वर्कर के जीवन में हिंसा एक व्यापक मुद्दा है। उन्हें प्रायः क्लाइंट, दलाल और यहाँ तक कि कानून लागू करने वाले अधिकारियों से शारीरिक, भावनात्मक और यौन हिंसा का सामना करना पड़ता है।
 - हिंसा का यह लगातार खतरा उनके मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों को बढ़ाता है और आघात का एक चक्र बनाता है जिससे उचित समर्थन एवं हस्तक्षेप के बिना बचना मुश्किल है।
- **आर्थिक दबाव:** कई सेक्स वर्कर वित्तीय हताशा के कारण इस पेशे में आती हैं। उनके कार्य की अनिश्चित प्रकृति, वैकल्पिक रोजगार के अवसरों की कमी के साथ मिलकर, पुराने तनाव और चिंता का कारण बनती है।
 - उनकी आय की अस्थिरता उनकी असुरक्षा को और बढ़ा देती है, जिससे स्वयं का और अपने परिवार का भरण-पोषण करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है।
- **पदार्थ का उपयोग और उससे निपटने के तरीके:** सेक्स वर्कर के बीच पदार्थों का उपयोग एक सामान्य तरीका है। कई लोग अपने पेशे से जुड़े तनाव और आघात को प्रबंधित करने के लिए ड्रग्स या अल्कोहल पर निर्भर रहते हैं।
 - पदार्थों पर यह निर्भरता आदत का कारण बन सकती है, जिससे उनके मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे अधिक जटिल हो जाते हैं और सहायता मांगना भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है।
- **स्वास्थ्य और कल्याण:** सेक्स वर्कर के लिए स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच एक बड़ी चुनौती है। उनके द्वारा सामना किए जाने वाले कलंक और भेदभाव प्रायः उन्हें चिकित्सा सहायता लेने से रोकते हैं, जिससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ होती हैं।

- इसके अतिरिक्त, सेक्स वर्कर्स के लिए लक्षित स्वास्थ्य सेवाओं की कमी का तात्पर्य है कि उन्हें यौन संचारित संक्रमण (STIs) और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का अधिक जोखिम है।
- **कानूनी और नीतिगत चुनौतियाँ:** भारत में सेक्स वर्क की कानूनी स्थिति अस्पष्ट है, जिससे अधिक जटिलताएँ उत्पन्न होती हैं। जबकि सेक्स वर्क स्वयं अवैध नहीं है, इससे जुड़ी गतिविधियाँ, जैसे वेश्यालय चलाना और वेश्यावृत्ति करना, अपराध है।
 - यह कानूनी ग्रे क्षेत्र सेक्स वर्कर्स को शोषण और दुर्व्यवहार के लिए असुरक्षित बनाता है, क्योंकि उनके पास अपने अधिकारों की रक्षा के लिए सीमित कानूनी उपाय हैं।

हस्तक्षेप की आवश्यकता

- सेक्स वर्कर्स की मानसिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं को संबोधित करने के लिए एक दयालु और व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है और एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है जो संरचनात्मक, व्यावहारिक एवं जैव चिकित्सा हस्तक्षेपों को जोड़ती है।
- **सेक्स वर्क को अपराधमुक्त करना:** सेक्स वर्क को अपराधमुक्त करना सेक्स वर्कर्स के विरुद्ध कलंक और हिंसा को कम कर सकता है, जिससे उनके लिए कानूनी नतीजों के भय के बिना स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँचना आसान हो जाता है।
- **कानूनी संरक्षण:** सेक्स वर्कर्स को हिंसा और भेदभाव से बचाने वाले कानूनों को लागू करना उनकी सुरक्षा एवं मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बना सकता है।
- **स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच:** सेक्स वर्कर्स को मानसिक स्वास्थ्य देखभाल, यौन और प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं तथा मादक द्रव्यों के सेवन के उपचार सहित व्यापक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच प्रदान करना।
 - मोबाइल स्वास्थ्य क्लिनिक और आउटरीच कार्यक्रम सेक्स वर्कर्स को सीधे सेवाएँ प्रदान कर सकते हैं, विशेषकर उन लोगों को जो पारंपरिक स्वास्थ्य सुविधाओं पर नहीं जा सकते हैं।
- **समुदाय-आधारित समर्थन:** सहकर्मी सहायता नेटवर्क स्थापित करना जहाँ सेक्स वर्कर्स अनुभव साझा कर सकते हैं और एक-दूसरे का समर्थन कर सकते हैं, अलगाव की भावनाओं को कम करने एवं मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायता कर सकते हैं।
 - सुरक्षित स्थान बनाना जहाँ सेक्स वर्कर्स सेवाओं तक पहुँच सकते हैं, आराम कर सकते हैं और बिना किसी निर्णय के समर्थन प्राप्त कर सकते हैं।
- **प्रशिक्षण और संवेदनशीलता:** स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को सेक्स वर्कर्सों की ज़रूरतों के प्रति गैर-आलोचनात्मक और संवेदनशील होने का प्रशिक्षण देने से उन्हें मिलने वाली देखभाल की गुणवत्ता में सुधार हो सकता है।
 - कलंक को कम करने और सेक्स वर्क की वास्तविकताओं के बारे में जनता को शिक्षित करने के अभियान एक अधिक सहायक वातावरण को बढ़ावा दे सकते हैं।
- **आर्थिक सशक्तिकरण:**
 - **व्यावसायिक प्रशिक्षण और शिक्षा:** व्यावसायिक प्रशिक्षण और शैक्षिक अवसर प्रदान करने से यौनकर्मियों को वैकल्पिक रोजगार खोजने में सहायता मिल सकती है, यदि वे यौन कार्य छोड़ना चुनते हैं।
 - **वित्तीय सहायता कार्यक्रम:** वित्तीय सहायता कार्यक्रम कुछ आर्थिक दबावों को कम कर सकते हैं जो मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं में योगदान करते हैं।
- **सांस्कृतिक संवेदनशीलता और प्रभावशीलता सुनिश्चित करना:**
 - **नीति विकास में यौनकर्मियों को शामिल करना:** नीतियों के विकास और कार्यान्वयन में यौनकर्मियों को शामिल करना यह सुनिश्चित करता है कि हस्तक्षेप उनकी आवश्यकताओं और अनुभवों के लिए प्रासंगिक एवं सम्मानजनक हैं।

- **सांस्कृतिक रूप से अनुकूलित कार्यक्रम:** ऐसे कार्यक्रम डिजाइन करना जो यौनकर्मियों के सांस्कृतिक संदर्भों और विविध पृष्ठभूमियों का सम्मान करते हैं, उनकी प्रभावशीलता को बढ़ा सकते हैं।
- **सतत मूल्यांकन और प्रतिक्रिया:**
 - **निगरानी और मूल्यांकन:** हस्तक्षेपों के प्रभाव का नियमित रूप से मूल्यांकन करना और यौनकर्मियों की प्रतिक्रिया के आधार पर समायोजन करना यह सुनिश्चित कर सकता है कि कार्यक्रम उनकी आवश्यकताओं के प्रति प्रभावी और उत्तरदायी बने रहें।
 - **फीडबैक तंत्र:** यौनकर्मियों के लिए सेवाओं और नीतियों पर फीडबैक प्रदान करने के लिए तंत्र स्थापित करने से सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने में सहायता मिल सकती है।

न्यायपालिका का दृष्टिकोण

- भारत के उच्चतम न्यायालय ने 2022 में यौन कार्य को एक पेशे के रूप में मान्यता देते हुए एक ऐतिहासिक आदेश जारी किया, जिसमें पुष्टि की गई कि यौनकर्मियों सहित प्रत्येक व्यक्ति को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत सम्मान के साथ जीने का अधिकार है।
 - यौनकर्मों कानून के तहत समान सुरक्षा के हकदार हैं, और उम्र एवं सहमति के आधार पर आपराधिक कानून समान रूप से लागू होना चाहिए।
 - पुलिस को उन यौनकर्मियों के साथ हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए जो वयस्क हैं और सहमति दे रहे हैं।

सरकार की पहल

- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय उज्ज्वला योजना लागू करता है जो तस्करी की रोकथाम और वाणिज्यिक यौन शोषण के लिए तस्करी के पीड़ितों के बचाव, पुनर्वास एवं पुनः एकीकरण के लिए एक व्यापक योजना है।
- राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW) ने यौनकर्मियों के सामने आने वाले मुद्दों को समझने और उनके अधिकारों को मुख्यधारा में लाने के प्रयास के लिए सिफारिशें करने के लिए 'यौनकर्मियों के लिए सम्मानपूर्वक जीने के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ' विषय पर एक परामर्श का आयोजन किया।
- भारत में यौनकर्मियों के अधिकारों को पहचानने और उनकी रक्षा करने के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। उदाहरण के लिए, यौन कार्य को अपराध की श्रेणी से बाहर करने और इसे वैध कार्य के रूप में मान्यता देने की मांग की जा रही है, जो यौनकर्मियों को कानूनी सुरक्षा एवं श्रम अधिकारों तक पहुंच प्रदान करेगा।

आगे की राह

- भारत में यौनकर्मियों के सामने आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। यौन कार्य को अपराध की श्रेणी से बाहर करने और इसे वैध कार्य के रूप में मान्यता देने से यौनकर्मियों को कानूनी सुरक्षा और श्रम अधिकारों तक पहुंच मिल सकती है।
- इसके अतिरिक्त, व्यापक मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ, लक्षित स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम और आर्थिक सहायता पहल उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए महत्वपूर्ण हैं।
- जागरूकता को बढ़ावा देना और शिक्षा एवं वकालत के माध्यम से सामाजिक कलंक को कम करना भी यौनकर्मियों के लिए अधिक समावेशी तथा सहायक वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

- सार्थक परिवर्तन लाने और यौनकर्मियों की गरिमा एवं अधिकारों को बरकरार रखने को सुनिश्चित करने के लिए सरकारी एजेंसियों, गैर-लाभकारी संस्थाओं तथा यौनकर्मियों के समूहों के बीच सहयोगात्मक प्रयास आवश्यक हैं।

Source: TH



दैनिक मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न. यौनकर्मियों की मानसिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं को संबोधित करने के लिए कौन सी विशिष्ट नीतियां एवं हस्तक्षेप लागू किए जा सकते हैं, और हम यह कैसे सुनिश्चित कर सकते हैं कि ये पहल सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील और प्रभावी हैं?

